रविवार 10 मई, 2026

विषय — आदम और पतित आदमी

स्वर्ण पाठ: 1 कुरिन्थियों 15: 22

"और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसा ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 8: 1, 3-6

भजन संहिता 17: 15

1 हेयहोवा हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है! तू ने अपना वैभव स्वर्ग पर दिखाया है।
3 जब मैं आकाश को, जो तेरे हाथों का कार्य है, और चंद्रमा और तरागण को जो तू ने नियुक्त किए हैं, देखता हूं;
4 तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखे, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि ले?
5 क्योंकि तू ने उसको परमेश्वर से थोड़ा ही कम बनाया है, और महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है।
6 तू ने उसे अपने हाथों के कार्यों पर प्रभुता दी है; तू ने उसके पांव तले सब कुछ कर दिया है।
15 परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूंगा जब मैं जागूंगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट हूंगा॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. भजन संहिता 115: 15

15 यहोवा जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है, उसकी ओर से तुम अशीष पाए हो॥

2. उत्पत्ति 1: 1, 2, 26-28, 31 (से *1st* .)

1 आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।
2 और पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी; और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा था: तथा परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डलाता था।
26 फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगने वाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।
27 तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

28 और परमेश्वर ने उन को आशीष दी।

31 तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है।

3. उत्पत्ति 2: 1, 6, 7, 21, 22

1 योंआकाश और पृथ्वी और उनकी सारी सेना का बनाना समाप्त हो गया।

6 तौभी कोहरा पृथ्वी से उठता था जिस से सारी भूमि सिंच जाती थी

7 और यहोवा परमेश्वर ने आदम को भूमि की मिट्टी से रचा और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया; और आदम जीवता प्राणी बन गया।

21 तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को भारी नीन्द में डाल दिया, और जब वह सो गया तब उसने उसकी एक पसली निकाल कर उसकी सन्ती मांस भर दिया।

22 और यहोवा परमेश्वर ने उस पसली को जो उसने आदम में से निकाली थी, स्त्री बना दिया; और उसको आदम के पास ले आया।

4. उत्पत्ति 4: 1, 2, 8-10 (से ?), 11 (से ,), 16

1 जब आदम अपनी पत्नी हव्वा के पास गया तब उसने गर्भवती हो कर कैन को जन्म दिया और कहा, मैं ने यहोवा की सहायता से एक पुरूष पाया है।

2 फिर वह उसके भाई हाबिल को भी जन्मी, और हाबिल तो भेड़-बकरियों का चरवाहा बन गया, परन्तु कैन भूमि की खेती करने वाला किसान बना।

8 तब कैन ने अपने भाई हाबिल से कुछ कहा: और जब वे मैदान में थे, तब कैन ने अपने भाई हाबिल पर चढ़ कर उसे घात किया।

9 तब यहोवा ने कैन से पूछा, तेरा भाई हाबिल कहां है? उसने कहा मालूम नहीं: क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूं?

10 उसने कहा, तू ने क्या किया है? तेरे भाई का लोहू भूमि में से मेरी ओर चिल्ला कर मेरी दोहाई दे रहा है!

11 इसलिये अब भूमि जिसने तेरे भाई का लोहू तेरे हाथ से पीने के लिये अपना मुंह खोला है, उसकी ओर से तू शापित है।

16 तब कैन यहोवा के सम्मुख से निकल गया, और नोद नाम देश में, जो अदन के पूर्व की ओर है, रहने लगा।

5. यशायाह 52: 1 (से :), 2, 3

1 हेसिय्योन, जाग, जाग! अपना बल धारण कर; हे पवित्र नगर यरूशलेम, अपने शोभायमान वस्त्र पहिन ले।

2 अपने ऊपर से धूल झाड़ दे, हे यरूशलेम, उठ; हे सिय्योन की बन्दी बेटी अपने गले के बन्धन को खोल दे॥

3 क्योंकि यहोवा यों कहता है, तुम जो सेंतमेंत बिक गए थे, इसलिये अब बिना रूपया दिए छुड़ाए भी जाओगे।

6. यशायाह 51: 3

3 यहोवा ने सिय्योन को शान्ति दी है, उसने उसके सब खण्डहरों को शान्ति दी है; वह उसके जंगल को अदन के समान और उस के निर्जल देश को यहोवा की बाटिका के समान बनाएगा; उस में हर्ष और आनन्द और धन्यवाद और भजन गाने का शब्द सुनाई पड़ेगा॥s

7. मत्ती 15: 21-28

21 यीशु वहां से निकलकर, सूर और सैदा के देशों की ओर चला गया।
22 और देखो, उस देश से एक कनानी स्त्री निकली, और चिल्लाकर कहने लगी; हे प्रभु दाऊद के सन्तान, मुझ पर दया कर, मेरी बेटी को दुष्टात्मा बहुत सता रहा है।
23 पर उस ने उसे कुछ उत्तर न दिया, और उसके चेलों ने आकर उस से बिनती कर कहा; इसे विदा कर; क्योंकि वह हमारे पीछे चिल्लाती आती है।
24 उस ने उत्तर दिया, कि इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों को छोड़ मैं किसी के पास नहीं भेजा गया।
25 पर वह आई, और उसे प्रणाम करके कहने लगी; हे प्रभु, मेरी सहायता कर।
26 उस ने उत्तर दिया, कि लड़कों की रोटी लेकर कुत्तों के आगे डालना अच्छा नहीं।
27 उस ने कहा, सत्य है प्रभु; पर कुत्ते भी वह चूरचार खाते हैं, जो उन के स्वामियों की मेज से गिरते हैं।
28 इस पर यीशु ने उस को उत्तर देकर कहा, कि हे स्त्री, तेरा विश्वास बड़ा है: जैसा तू चाहती है, तेरे लिये वैसा ही हो; और उस की बेटी उसी घड़ी से चंगी हो गई॥

8. मत्ती 12: 46-50

46 जब वह भीड़ से बातें कर ही रहा था, तो देखो, उस की माता और भाई बाहर खड़े थे, और उस से बातें करना चाहते थे।
47 किसी ने उस से कहा; देख तेरी माता और तेरे भाई बाहर खड़े हैं, और तुझ से बातें करना चाहते हैं।
48 यह सुन उस ने कहने वाले को उत्तर दिया; कौन है मेरी माता?
49 और कौन है मेरे भाई? और अपने चेलों की ओर अपना हाथ बढ़ा कर कहा; देखो, मेरी माता और मेरे भाई ये हैं।
50 क्योंकि जो कोई मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चले, वही मेरा भाई और बहिन और माता है॥

9. नीतिवचन 26: 2

2 जैसे गौरिया घूमते घूमते और सूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती, वैसे ही व्यर्थ शाप नहीं पड़ता।

10. गलातियों 3: 22 (धर्मग्रंथ), 27-29

22 ... परन्तु पवित्र शास्त्र ने सब को पाप के आधीन कर दिया, ताकि वह प्रतिज्ञा जिस का आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है, विश्वास करने वालों के लिये पूरी हो जाए॥
27 और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है।
28 अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।
29 और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो॥

11. गलातियों **4: 6, 7**

6 और तुम जो पुत्र हो, इसलिये परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कह कर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है।
7 इसलिये तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 591: 5-7

मनुष्य। अनंत आत्मा का मिला-जुला विचार; ईश्वर की आध्यात्मिक छवि और समानता; मन का पूरा रूप।

2. 502: 22-23, 27-5

उत्पत्ति अध्याय 1: श्लोक 1. शुरू में भगवान ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया।

क्रिएटिव प्रिंसिपल—जीवन, सत्य और प्रेम—भगवान हैं। यूनिवर्स भगवान को दिखाता है। सिर्फ़ एक बनाने वाला और एक ही क्रिएशन है। यह क्रिएशन स्पिरिचुअल आइडिया और उनकी पहचान के खुलने से बनी है, जो अनंत मन में समाए हुए हैं और हमेशा रिफ्लेक्ट होते हैं। ये आइडिया बहुत छोटे से लेकर अनंत तक हैं, और सबसे ऊंचे आइडिया भगवान के बेटे और बेटियां हैं।

3. 517: 7-14

मन का जीवन देने वाला गुण आत्मा है, पदार्थ नहीं। आदर्श पुरुष सृष्टि, बुद्धि और सत्य से मेल खाता है। आदर्श महिला जीवन और प्रेम से मेल खाती है। दिव्य विज्ञान में, हमारे पास ईश्वर को पुरुष मानने का उतना अधिकार नहीं है, जितना कि उसे स्त्री मानने का है, क्योंकि प्रेम ईश्वर का सबसे साफ़ विचार देता है।

4. 267: 13-18

क्रिश्चियन साइंटिस्ट समझते हैं कि धार्मिक तौर पर, उनके पास माँ के लिए वही अधिकार है जो भाई और बहन के लिए है। यीशु ने कहा: "क्योंकि जो कोई मेरे स्वर्ग में रहने वाले पिता की इच्छा पूरी करेगा, वही मेरा भाई, बहन और माँ है।"

5. 528: 9-12 अगला पृष्ठ

उत्पत्ति अध्याय 2: श्लोक 21, 22. और प्रभु परमेश्वर [यहोवा, यावाह] ने आदम को गहरी नींद में डाल दिया, और वह सो गया: और उसने उसकी एक पसली ली, और उसकी जगह मांस भर दिया; और वह पसली, जो प्रभु परमेश्वर [यहोवा] ने आदमी से ली थी, उससे उसने एक औरत बनाई, और उसे आदमी के पास ले आया।

यहाँ झूठ, गलती, सत्य, परमेश्वर को आदम में नींद या हिप्नोटिक हालत लाने का क्रेडिट देती है ताकि उस पर एक सर्जिकल ऑपरेशन किया जा सके और इस तरह औरत बनाई जा सके। यह मैग्नेटिज़्म का पहला रिकॉर्ड है।

रोशनी के बजाय अंधेरे से निर्माण शुरू करते हुए,—स्पिरिचुअली के बजाय फिजिकली,—गलती अब सत्य के काम की नकल करती है, प्यार का मज़ाक उड़ाती है और बताती है कि गलती ने क्या बड़े काम किए हैं। अपने सपने की निर्माण को देखकर और उन्हें असली और भगवान का दिया हुआ कहकर, आदम—यानी गलती—उन्हें नाम देता है। बाद में माना जाता है कि वह औरत और अपनी तरह के जीवों को बनाने का आधार बना, उन्हें इंसानियत कहा,—यानी, एक तरह का आदमी।

लेकिन इस कहानी के अनुसार, सर्जरी सबसे पहले दिमागी तौर पर और बिना किसी उपकरण के की जाती थी; और यह चिकीत्सकीय संकाय के लिए एक काम का इशारा हो सकता है। बाद में इंसानी इतिहास में, जब मना किया गया फल अपनी तरह का फल दे रहा था, तो काम करने के तरीके में बदलाव का सुझाव आया,—कि आदमी औरत से पैदा होना चाहिए, न कि औरत को फिर से आदमी से लिया जाना चाहिए। यह भी हुआ कि इंसानों के जन्म में मदद के लिए औजारों की ज़रूरत थी। पहला सुझाव देने वाला प्रसूति तंत्र बदल गया है। आदमी के स्वभाव और उत्पत्ति के बारे में एक और बदलाव आएगा, और यह खुलासा होने का सपना खत्म हो जाएगा, असलियत फिर से आएगी, साइंस और दुनिया बनाने की शानदार सच्चाई सामने आएगी, कि आदमी और औरत दोनों भगवान से निकले हैं और उनके हमेशा रहने वाले बच्चे हैं, किसी छोटे माता-पिता से नहीं।

6. 532: 5-7, 10-12

इंसान का सारा ज्ञान और दुनियावी समझ पाँच शरीर की इंद्रियों से ही मिलनी चाहिए। क्या यह ज्ञान सुरक्षित है, जब इसके पहले फल खाने से मौत हो गई?...आदम और उसके बच्चे श्रापित थे, आशीर्वाद नहीं; और यह दिखाता है कि भगवान की आत्मा, या पिता, दुनियावी इंसान को दोषी ठहराते हैं और उसे धूल में मिला देते हैं।

7. 338: 27-32

यहोवा ने कहा कि ज़मीन शापित है; और इसी ज़मीन या चीज़ से आदम पैदा हुआ, भले ही भगवान ने धरती को "इंसानों की खातिर" आशीर्वाद दिया था। इससे यह पता चलता है कि आदम वह आइडियल इंसान नहीं था जिसके लिए धरती को आशीर्वाद दिया गया था। आइडियल इंसान सही समय पर सामने आया, और उसे क्राइस्ट जीसस के नाम से जाना गया।

8. 345: 21-25, 31-5

जो कोई भी भगवान के विचार और बेचारी इंसानियत के बीच के अंतर को समझ सकता है, उसे भगवान के रूप में बने इंसान और पापी आदम जाति के बीच (क्रिश्चियन साइंस द्वारा किया गया) अंतर समझ पाना चाहिए।

क्रिश्चियन साइंस का मकसद "भगवान के विचार को सिखाना, या बीमारी का इलाज करना" नहीं है, जैसा कि एक आलोचक ने कहा है। मुझे दुख है कि ऐसी आलोचना इंसान को आदम के साथ मिला देती है। जब इंसान को भगवान के रूप में बनाया गया कहा जाता है, तो इसका मतलब पापी और बीमार इंसान नहीं होता, बल्कि भगवान जैसा दिखने वाला आदर्श इंसान होता है।

9. 306: 30-6

भगवान का बनाया हुआ इंसान, रूहानी तौर पर बनाया गया, न तो शरीर का है और न ही मरने वाला।

इंसानी झगड़ों की जड़ आदम का सपना था, गहरी नींद, जिससे यह गलतफहमी पैदा हुई कि ज़िंदगी और समझ शरीर से निकली और उसी में चली गई। यह पैन्थेइस्टिक गलती, या तथाकथित साँप, अभी भी सच के उलट बात पर ज़ोर देता है, कहता है, "तुम भगवान जैसे हो जाओगे;" यानी, मैं गलती को सच जितना ही असली और हमेशा रहने वाला बना दूँगा।

10. 30: 19-25

सत्य के व्यक्तिगत आदर्श के तौर पर, ईसा मसीह रब्बियों की गलतियों और सभी पापों, बीमारियों और मौत को डांटने आए थे,—सत्य और जीवन का रास्ता दिखाने के लिए। यह आदर्श ईसा मसीह के पूरे दुनियावी जीवन में दिखाया गया, जिससे आत्मा और भौतिक भावना, सत्य और गलती के बीच का अंतर दिखा।

11. 332: 26-29

मैरी की उनके बारे में सोच आध्यात्मिक थी, क्योंकि सिर्फ़ पवित्रता ही सत्य और प्रेम को दिखा सकती थी, जो साफ़ तौर पर अच्छे और पवित्र मसीह यीशु में मौजूद थे।

12. 316: 2-11

उनसे इंसान बुराई से बचना सीख सकते हैं। असली इंसान साइंस के ज़रिए अपने बनाने वाले से जुड़ा होता है, इंसानों को बस पाप से मुँह मोड़ने और इंसानी पहचान को भूलने की ज़रूरत है ताकि वे क्राइस्ट, असली इंसान और भगवान के साथ उनके रिश्ते को पा सकें, और भगवान के बेटे होने को पहचान सकें। क्राइस्ट, यानी सच, को जीसस के ज़रिए दिखाया गया ताकि शरीर पर आत्मा की ताकत साबित हो सके,—यह दिखाने के लिए कि सच इंसान के मन और शरीर पर अपने असर से ज़ाहिर होता है, बीमारी को ठीक करता है और पाप को खत्म करता है।

13. 171: 4-8 (से *4th* ,)

भौतिक चीज़ों के आध्यात्मिक उलटे रूप को समझने से, यहाँ तक कि मसीह, सत्य के ज़रिए, इंसान दिव्य विज्ञान की चाबी से स्वर्ग के उन दरवाज़ों को फिर से खोलेगा जिन्हें इंसानी विश्वासों ने बंद कर दिया है, और वह खुद को बिना पाप का, सीधा, पवित्र और आज़ाद पाएगा।

14. 14: 25-30

दुनियावी ज़िंदगी के विश्वास और सपने से पूरी तरह अलग, दिव्य जीवन है, जो आध्यात्मिक समझ और पूरी धरती पर इंसान के राज की समझ दिखाता है। यह समझ गलतियों को दूर करती है और बीमारों को ठीक करती है, और इससे आप "अधिकार रखने वाले की तरह" बोल सकते हैं।

दैनिक कर्तव्यों

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6